Result Mitra Daily Magazine

पशु स्वास्थ्य पहल

❖ हालिया संदर्भ :

- केंद्र सरकार ने हाल ही में भविष्य की महामारियों के रोकथाम के लिए पशु स्वास्थ्य की बेहतर निगरानी के लिए एक प्रोजेक्ट शुरू किया है।
- केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री द्वारा 'महामारी की तैयारी एवं प्रतिक्रिया के लिए पशु स्वास्थ्य सुरक्षा सुदृढ़ीकरण' नामक पहल की शुरुआत की गई।

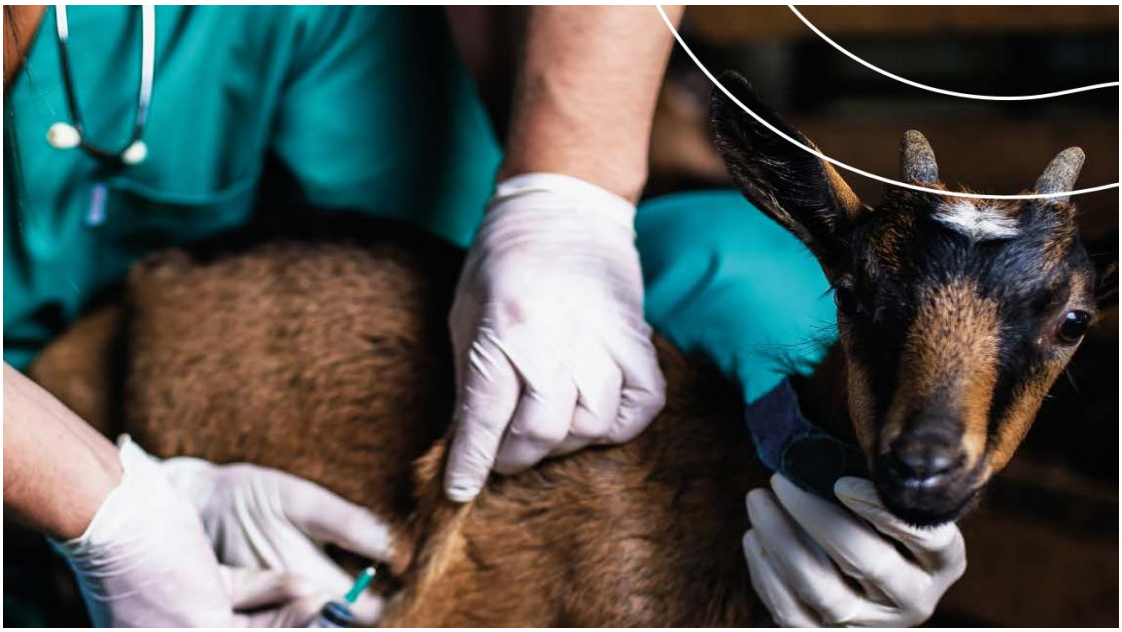

❖ क्या है परियोजना :

- इस परियोजना को 2022 में G–20 की मीटिंग (इंडोनेशिया द्वारा अध्यक्षता) में बनाए गए 'महामारी कोष' द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- इस कोष का मूल उद्देश्य निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों को भविष्य में महामारियों की पहचान करने, रिपोर्ट करने एवं उन्हें रोकने के लिए मौजूदा क्षमताओं में वृद्धि करना है।
- कोष के पहले निवेश में 2 बिलियन डॉलर जुटाए गए, जिसमें भारत के केंद्रीय पशुपालन विभाग को 25 मिलियन डॉलर की स्वीकृति प्राप्त हुई।
- इस परियोजना का मूल उद्देश्य पशु स्वास्थ्य से संबंधित भविष्य के खतरे को रोकने के लिए नेटवर्क को मजबूत करना है।

❖ समय–सीमा :

- इस परियोजना का कार्यान्वयन 3 एजेंसियों–एशियाई विकास बैंक, विश्व बैंक एवं खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।
- इस परियोजना को अगस्त 2026 तक पूरा कर लिए जाने की उम्मीद है।

❖ कार्ययोजना :

- प्रमुख हस्तक्षेप रोग निगरानी एवं प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करना,
- प्रयोगशाला नेटवर्क को उन्नत और विस्तारित करना,
- संचालन योग्य डेटा सिस्टम में सुधार करना,
- सीमा पार पशु रोगों के लिए स्वास्थ्य–सुरक्षा–तंत्र को मजबूत करना,
- जोखिम संचार के लिए क्षमता निर्माण करना,
- परियोजना को इस प्रकार से लागू किए जाने की व्यवस्था की जाएगी कि कोई भी रोगाणु जानवरों से निकलकर मानव आबादी में नहीं फैल पाएगा, जिससे आबादी के स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और आजीविका को संभावित खतरों से बचाया जाएगा।

❖ आवश्यकता :

- WHO ने पिछले कुछ दशकों में अंतर्राष्ट्रीय चिंता के 6 सार्वजनिक आपातकाल घोषित किए, जिनमें से 5 जूनोटिक (जानवरों से मनुष्यों में संचारित होने वाले रोग) थे।
- ऐसे आपातकाल एवं जूनोटिक बीमारी का नवीनतम उदाहरण कोविड-19 था, जिसने 2019-21 में दुनिया को प्रभावित किया।
- सामान्यतः मनुष्य को प्रभावित करने वाली 70% बीमारियां जानवरों से उत्पन्न होती है, इसलिए भविष्य की निगरानी के लिए पशु–स्वास्थ्य पर ध्यान देना आवश्यक है।
- 20वीं पशुधन जनगणना के अनुसार, भारत में 536 मिलियन पशुधन है, ऐसे में पशुधन सहित मानवीय–आबादी को सुरक्षित रखने के लिए ऐसे व्यापक परियोजना की आवश्यकता थी।

Result Mitra